PLANET CELEBRATION

THE MOST ADMIRED NAME IN WEDDING & EVENT MANAGEMENT

वैवाहिक कार्यक्रम - लड़का

सगाई-नीरबन्धन-नेग

सगाई जिसे कहीं ठाका या रोका, कहीं आशीर्वाद या नीरबन्धन तो कहीं मंगनी और कहीं छेका तथा एन्गेजमेन्ट कहा जाता है, यह एक ऐसी रस्म है, जो दो अनजाने परिवारों को एक सूत्र में बांध देती हैं।
सगाई के दिन घर परिवार तथा कुटुम्ब-कबीले के लोगो को बुलाना चाहिए, सगाई मे लड़का लड़की को बाऐं हाथ की अनामिका अंगूली में अंगूठी पहनाता है। तत्पश्चात वे दोनों सभी बड़ों को चरण.स्पर्श करतें हैं। लड़का-लड़की की गोद पंच मेवा से भरी जाती है। ***घोड़ी बनड़ा*** का गीत गाया जाता है, छात,आरता एंव वार फेरी भी की जाती है। मिलनी में प्रथम पित्तरों की मिलनी ली-दी जाती है।

PLANET CELEBRATION

सगाई के स्थान पर व्यवस्थाएं-

यातायात की व्यवस्था
बैठाने की व्यवस्था
शर्बत आदि की व्यवस्था
बर्तन आदि की व्यवस्था
नाश्ते की व्यवस्था
पान.सुपारी.सौंफ की व्यवस्था
मिलनी
ड्राईवर आया हो तो उसे भेंट, नाश्ता
फोटोग्राफर- वीडियो की व्यवस्था
फूल की सजावट-लाईट इत्यादि

सामान

माला

****

तत्पश्चात् यथायोग्य सामर्थ्य के अनुसार मिठाई वितरण करना।

**********PLANET CELEBRATION

भात नूतना- भात भरने का न्यौता

वर और कन्या की माँ विवाह पूर्व अपने-अपने मायके मे जाकर भात न्यौत देना चाहिए अर्थात् भात भरने का न्यौता-आमंत्रण देना चाहिए। भात न्यौतने जाते समय अपने भाई-भतीजों के लिए उपहार.मिठाई आदि अपने सामर्थ्य के अनुसार लेकर जाना चाहिए। इस आमंत्रण में उसे अपने भाई - भतीजों को तिलक करके नारियल-रूपया देना चाहिए। इस अवसर पर सारे परिवार वाले सम्मिलित होते हैं।

**********PLANET CELEBRATION

यज्ञोपित संस्कार-जनेऊ-गुरूमंत्र

सनातन धर्म के अनुसार बिना गुरू मंत्र तथा जनेऊ संस्कार के यज्ञ-दानकरण का फल नही मिलता। इस कार्यक्रम के विषय मे अपने पण्डितजी से पूछें।

**********PLANET CELEBRATION

वैवाहिक संस्कार

इस कार्यक्रम के विषय मे अपने पण्डितजी से पूछें।

**********PLANET CELEBRATION

विवाह हाथ -सावा.पूजन-मंगल.गीत

विवाह हाथ लेकर शादी के कार्य का श्री गणेश किया जाता है और आज के दिन ही किसी छोटे बालक को बिन्दायक बनाया जाता है। इस अवसर पर वर एवं कन्या दोंनो पक्षों में शादी के मांगलिक गीत गायें जाते हैं और आज से आपको अपनी परम्परा के अनुसार प्रतिदिन गीत गाने का कार्यक्रम करना चाहिए। दोनों पक्ष के यहां मंगोड़ी चुटी जाती है एंव वर पक्ष के यहां हाथ का नेग दिया जाता है।

****

तिलक का सामान
नारियल-रूपया
कन्यापक्ष वालों की व्यवस्थाएं
लड्डू का थाल
फ्लों का थाल
मेवे का थाल

वर के कपड़े व अन्य सामान

PLANET CELEBRATION

तत्पश्चात् यथायोग्य सामर्थ्य के अनुसार मिठाई वितरण करना।

****

भात नूतना- भात भरने का न्यौता

वर और कन्या की माँ विवाह पूर्व अपने-अपने मायके मे जाकर भात न्यौत देना चाहिए अर्थात् भात भरने का न्यौता-आमंत्रण देना चाहिए। भात न्यौतने जाते समय अपने भाई-भतीजों के लिए उपहार.मिठाई आदि अपने सामर्थ्य के अनुसार लेकर जाना चाहिए। इस आमंत्रण में उसे अपने भाई - भतीजों को तिलक करके नारियल-रूपया देना चाहिए। इस अवसर पर सारे परिवार वाले सम्मिलित होते हैं।

****PLANET CELEBRATION

यज्ञोपित संस्कार-जनेऊ-गुरूमंत्र

सनातन धर्म के अनुसार बिना गुरू मंत्र तथा जनेऊ संस्कार के यज्ञ-दानकरण का फल नही मिलता। इस कार्यक्रम के विषय मे अपने पण्डितजी से पूछें।

********PLANET CELEBRATION

वैवाहिक संस्कार

इस कार्यक्रम के विषय मे अपने पण्डितजी से पूछें।

****

विवाह हाथ -सावा.पूजन-मंगल.गीत

विवाह हाथ लेकर शादी के कार्य का श्री गणेश किया जाता है और आज के दिन ही किसी छोटे बालक को बिन्दायक बनाया जाता है। इस अवसर पर वर एवं कन्या दोंनो पक्षों में शादी के मांगलिक गीत गायें जाते हैं और आज से आपको अपनी परम्परा के अनुसार प्रतिदिन गीत गाने का कार्यक्रम करना चाहिए। दोनों पक्ष के यहां मंगोड़ी चुटी जाती है एंव वर पक्ष के यहां हाथ का नेग दिया जाता है।

******PLANET CELEBRATION

विवाह हाथ-सावा पूजन-मंगल गीत

विवाह हाथ लेकर शादी के कार्य का श्री गणेश किया जाता है और आज के दिन ही किसी छोटे बालक को बिन्दायक बनाया जाता हैण् इस अवसर पर वर एवं कन्या दोंनो पक्षों में शादी के मांगलिक गीत गायें जातें हैं और आज से आपको अपनी परम्परा के अनुसार प्रतिदिन गीत गाने का कार्यक्रम करना चाहिएण् दोनों पक्ष के यहां मंगोड़ी चुटी जाती है एंव वर पक्ष के यहां हाथ का नेग दिया जाता है।

******PLANET CELEBRATION

तिलक मुद्दा मिलनी

वर को सर्वप्रथम श्रीगणेशजी, देवी-देवता तथा कुल देवता आदि की पूजा करनी चाहिए। तत्पश्चात कन्या पक्ष वालों को वर को तिलक करके अपनी परम्परा के अनुसार सम्बन्धियों को मिलनी देनी चाहिए। सर्वप्रथम पित्तरों की मिलनी ली-दी जानी चाहिए। उसके पश्चात् नाश्ता आदि का आयोजन करना चाहिए।

कन्या पक्ष वालों के यहाँ व्यवस्था
यातायात की व्यवस्था
हरे पोदीने का थाल -डगरा सजाकर
नारियल सजाकर
तिलक में देने की भेंट सजाकर
पूजा की थाली
पुष्प माला, सुपारी,आम की डाली, गट,लग्न-पत्रिका
पान,रोली-मोली-चावल -मिठाई
दुर्वा फल, खुदरा रूपया,रेजगारी, धण्टी आदि
मिलनी के रूपये लिफाफे में डालकर

वर पक्ष के यहाँ व्यवस्था

निमंत्रण-पत्र या अन्य व्यवहारिक तरीके से आमंत्रण
जगह की व्यवस्था
आगत अतिथियों के बैठने की व्यवस्था
वर के लिए गद्दी-गलीचा मसण्द की व्यवस्था
चाय-ठण्डा की व्यवस्था
नाश्ते-भोजन की व्यवस्था
मिलनी
फोटोग्राफर व वीडियोग्राफर आदि की व्यवस्था

********PLANET CELEBRATION

तिलक
****
मिलनी
****
आरता
***
चरण-स्पर्श
******
औंरतो की मिलनी
*****
कचौला का नेग
****
चिकनी- कोथली
वर पक्ष कन्या पक्ष के यहाँ चिकनी-कोथली का नेग भेजता है। जिसमें मुख्यतः कन्या के सुहाग भाग की सारी चीजें होती हैं एवं कन्या पक्ष वाले आगत बहन-बेटियों को जलपान आदि करवा कर टीका का नेग भी देते हैं।

******PLANET CELEBRATION

गीत सम्मेलन
गीत सम्मेलन का कार्यक्रम आप अपनी सुविधा के अनुसार करा सकते हैं। प्रायः तिलक के पश्चात् संध्या समय गीत सम्मेलन का आयोजन होता है। गीत सम्मेलन के दौरान नाश्ता आदि कराना चाहिए।

गीत सम्मेलन के लिए व्यवस्था-

स्थान,लाईटिंग,साउण्ड, म्यूजिकल ग्रुप
बैठने की व्यवस्था
चाय-पानी-नाश्ता आदि की व्यवस्था

नोट-

ज्यादा बनावटी-दिखावटीपन न करके आप अपने कार्यक्रम को पारम्परिक तरीके तथा राजस्थानी गीतों के साथ करें।

******PLANET CELEBRATION

हल्दहाथ-हरिद्रारोपन
इसे हल्दी या पीले हाथ भी कहते हैं। इस अवसर पर श्रीगणेश तथा कुंकुम-पत्रिका की पूजा की जाती है। थैली में स्वास्तिक माण्ड कर पूजा की जाती है। मांगलिक गीत गाये जाते हैं। यह रस्म दोनों पक्षों के यहां की जाती है। हल्दहाथ के पश्चात वर.कन्या को पिठ्ठी लगाई जाती है।

व्यवस्था-

पूजा की थाली
पान, सुपारी, रोली,मोली,चावल,फल, दुर्व्वा
घण्टी,रुपया, पैसा आदि
ऊखल-मूसल, काठका-2
लोहे की कुड़छी-2
छाजला-2
हल्दी की गांठ
साबुत नमक
जौ
हंसली,मुंधडी, चान्दी की
पीढ़ा
मूंग दाल पीसी हुई, मंगोड़ी का के लिए,
ताला-चाबी सहित
पिरोत,एक छन्नी में मूंग, चावल-पैसा

घी-पाना, घी.बताशा
नोट-

हल्दात के पश्चात् बहन-बेटियों से आरता करवा कर नेग दिया जाता है एवं मिश्राणियों को हल्दात का नेग देते हैं।
विवाह दिन से पूर्व तृतीय षष्ठी और नवम दिन को त्याग कर विवाह नक्षत्र में अथवा शुभ दिन में अपने-अपने घरों में कन्या वर के तैल हरिद्रारोपन, हल्दहाथ करावें।

*****PLANET CELEBRATION

थापा रश्म, रात्रि-जागरण, मेहन्दी

थापा की रस्म में थापा की पूजा की जाती है। थापा के आगे दीपक जलाया जाता है। रात में रात्रि जागरण भी किया जाता है। रात्रि-जागरण में औरतें देवी-देवता के गीत आदि गाती हैं। इस अवसर के साथ आप मेहन्दी की रस्म भी कर सकतें हैं। मेहन्दी में सभी औरतें मेहन्दी मण्डवाती हैं।

व्यवस्था-

पूजा की थाली
पान, सुपारी,रोली,मोली,चावल,फल, दुर्व्वा
घण्टी, रुपया- पैसा आदि
ऊखल-मूसल काठका-2
लौहे की कुडछी-2
छाजला-2
हल्दी की गांठ
साबुत नमक
जौ
हंसली-मुंधड़ी चान्दी की
पीढ़ा
मूंग दाल पीसी हुई ;मंगोड़ी का के लिए
ताला-चाबी सहित
पिरोत-एक छन्नी में मूंग,चावल-पैसा

घी.पाना, घी.बताशा

****PLANET CELEBRATION

तेल-बान चढ़ाना-उतारना

वर कन्या से परिवार के बड़े लोग वर कन्या को तेल चढ़ाते हैं। आजकल तेल चढ़ाना एवं उतारना एक दिन में भी किया जाता है।जो लोग चढ़ाते हैं, वे ही तेल उतारते हैं। वर-कन्या को चौक पूरके चौकी पर बैठाकर सर पर चन्दुआ करके यह रस्म की जाती है। सर्वप्रथम पण्डितजी वर-वधू को तेल चढ़ाते-उतारते हैं। उसके पश्चात् सभी बड़े यह कार्यक्रम करते हैं। विन्दायक का भी तेल-बान होता है। तेल चढ़ाने एवं उतारने के पश्चात वर कन्या के माथे में पिता झोल उतारते हैं। (वर को दही का और कन्या को कच्चे दूध का) और मां सिर पर मसलती है। इसके पश्चात पिठ्ठी करके वर-कन्या स्नान कर चौकी पर खड़े हो जाते हैं। तत्पश्चात मामा-भाई, चाचा वर कन्या के हाथ में रुपया देकर गोद में लेकर चौकी से उतारते हैं और वर-वधू को थापा के आगे लाते हैं। थापा के आगे पूजा होती हैं। तेल-बान की सराई को पैरों से तोडते हैं।

व्यवस्था

तेल-बान की थाली
सराई, दुर्व्वा, दही, मेंहंदी, तेल, आ़टा
उबटन, रोली, चावल- तिलक के लिए
माथे का झोलण् चान्दी का प्याला
बेलन -चान्दी का सिक्का

*****PLANET CELEBRATION

कुंवारा माण्डा

कुंवारा माण्डा में पण्डितजी लाल-सफेद कपड़े में चार सराई बांधकर नाल से वर पक्ष के पण्डितजी कुंवारा माण्डा घुमाते हैं। कन्या पक्ष वालों के यहाँ निम्नलिखित सामान ले कर जाते हैं। कन्या पक्ष वाले पण्डितजी का तिलक करके दक्षिणा देते हैं। सुहागन स्त्रियाँ कुंवारा माण्डा में नेग देती है। कुंवारा माण्डा को थापा के पास बांध देते हैं।

ले जाने का सामान-

लाल पीला कागज
लाल वस्त्र --2 ,1-2 मीटर
नाल- 7
हिरमच, लाल मिट्टी
प्यावड़ी, पीली मिट्टी
जानी करवा, चीनी भरकर एक रूपया रखकर लाल कपड़ा बांधकर
सुहाग पूड़ा

****PLANET CELEBRATION

कांगण डोरा, राखडी़ बांधना
यह रस्म दोनों पक्षों के यहाँ होती है। वर और कन्या को पण्डितजी कांगण डोरा बांधते हैं। वर की माँ वर के दाहिने पैर में तथा कन्या की माँ कन्या के वायें पैर में कांगण.डोरा बांधती हैं।

******PLANET CELEBRATION

भात भरना

वर एवं कन्या दोनों पक्षों के यहाँ यह रस्म होती है। वर, कन्या के मामा अपनी बहन को चुनडी़ ओढ़ाकर यह रस्म पूरी करते हैं। इस अवसर पर नाना का पूरा परिवार एवं वर, कन्या का पूरा परिवार एकत्रित होता है। मामा अपनी सामर्थ्य के मुताबिक चुनडी़, गहने, कपड़े आदि भात में देते हैं।

व्यवस्था
पीढा या चौकी- 2
पान, सुपारी आदि की व्यवस्था
बैठाने की व्यवस्था
तिलक के लिए नारियल, आरता की थाली
चाय-ठण्डा की व्यवस्था
रूपया लिफाफे में
भोजन व्यवस्था
फोटोग्राफर-वीडियोग्राफर की व्यवस्था
सुहाग पूड़ा

****PLANET CELEBRATION

कोरथ एवं निकासी

कन्या पक्ष वाले पूजन सामाग्री लेकर वर पक्ष को बारात आने का आमंत्रण देते हैं। यहां पर भी मिलनी होती है। कोरथ के पश्चात वर को सजाया जाता है। पेंचा साफा-तनी,सेवरा आदि से वर को सजाया जाता है। इसमें क्रमशः नूनराई, दूध का नेग,मुंह जूठाना, मूंग भात का कार्यक्रम होता है। सभी कार्यक्रमो में अपने सामर्थ्य के अनुसार नेग देना चाहिए। कोरथ के पश्चात दुल्हे को तैयार कर घोड़ी की रस्म की जाती है, उसे घुड़चढ़ी या निकासी कहते हैं। सारा नेग होने के पश्चात देवी-देवता की धोक लगाई जाती है।

कन्या पक्ष के यहां व्यवस्था-

यातायात व्यवस्था
मूंग सवा किलो थाली या डगरे में
गुड़ की छोटी डेली, मूंग पर रखकर
नारियल-1
फूलमाला-2
पूजा की थाली,पूजन सामग्री के साथ
वर के तिलक के रूपये-लिफाफे
मिलनी के रूपये -लिफाफे
वर पक्ष के यहां व्यवस्था

आगत अतिथियों के बैठने की व्यवस्था
वर के बैठने के लिए गद्दी, गलीचा, मसण्द
दूल्हा के कपड़े,शेरवानी पायजामा आदि
पेंचा, कलंगी, कंठा, कमरबन्ध, तनी।
छोटा नारियल, सेवरा, छत्तर
नेगो के रूपयों के लिफाफे
पेंचा बंधाई
काजल घलाई
दुध पिलाने का नेग
आरता
नजर उतराई, नून.राई
छात का नेग

बाड़ गुंथाई

मिलनी के रुपये-लिफाफे

***PLANET CELEBRATION

आरता
काजल
छात
नून राई
दूध का नेग
मुंह जूठाना, मुंग भात
निकासी
घुड़चढ़ी का नेग
फेरा झालरा देना
डाला का सामान

****PLANET CELEBRATION

टुंटिया

वर पक्ष की महिलाएं बारात प्रस्थान के बाद किसी हॉल में आपस में काफी हंसी-मजाक करती हैं। इस कार्य कार्यक्र म में पुरुषों का आना सख्त मना है। इस कार्यक्रम में बड़े-छोटे का लिहाज सब खत्म हो जाता है, सब महिलाएं मिलकर स्वांग आदि रचती हैं तथा नाचती-गाती हैं।

***PLANET CELEBRATION

बहू की आगवानी

वर पक्ष अपने मोहल्ले में एक नारियल बधारते हैं। क्षेत्रपाल के लिए वर पक्ष की पहुँच की प्रथम सूचना देने वाले को नेग दिया जाता है। कन्या वर को वर के माता.पिता गोद मे ले कर गाड़ी से उतारते हैं। वर,कन्या के घर के दरवाजे पर पहुचने पर बहन,बेटियों को बाड़-रूकाई का नेग दिया जाता है। सुहागन थाल की जाती है। नून-राई की जाता है। तत्पश्चात् थापा दीपक जला कर पूजा की जाता है।

देवी-देवता की पूजा की जाता है। रात में रात्रि-जागरण किया जाता है। अगले दिन सिरगुंथी तथा देवी.देवता की पूजा हेतु मन्दिर जाया जाता है। मन्दिर में साटकी का खेल खेला जाता है। साटकी में नीम की झाड़ी से वधू के साथ खेला जाता है।

बाड़ रूकाई
सुहागन थाल
जुआ खिलाना
देवी देवता की धोक
साटकी

**PLANET CELEBRATION

सिरगुंथी जुआ एवं कंवर कलेवा

वर पक्ष की महिलायें वधू के केश संवारती हैं, सजाती हैं। वधू पगालागगनी का नेग करती हैं। वर पक्ष की महिलाओं को मिलनी दी जाती है। इसके पश्चात् कहीं-कहीं आज भी जुआ का नेग होता है,इसमें वर को आखिर में जिताया जाता है एवं जुआ की अंगूठी वर.वधू को पहनाता है। इस समय वर पक्ष वाले कन्या से अपने जंवाई का रुपया से आंजला भरवाते हैं। तथा वधू को चुनड़ी उढ़ाई जाती है।

रात्रि जागरण

PLANET CELEBRATION